स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

प्रो. जी.एन. रामचंद्रन

चित्रः जितेंद्र ठाकुर

गोपालसमुद्रम नारायण आइयर रामचंद्रन 20वीं सदी के प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों में से हैं। इन्हे 'रामचंद्रन प्लाट' के लिए जाना जाता है जो पेप्टाइड की संरचना से सम्बंधित है। पहली बार इन्होंने ही कोलेजन के त्रि-कुंडलित संरचना का माडल प्रस्तुत किया। जीव विज्ञान एवं भौतिकी के क्षेत्र में इन्होंने अनेक महत्त्वपूर्ण योगदान दिए हैं।

प्रो. रामचंद्रन का जन्म एर्नाकुलम, केरल में 8 अक्टूबर 1922 को हुआ। 1942 में इन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में दाखिला लिया। शीघ्र ही उन्हे पता चल गया कि उनका झुकाव भौतिकी की ओर है और वे भौतिकी विभाग की ओर रुख कर गए जहां से इन्होंने सर सी.वी.रमन के अधीनस्थ स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल किया। यहां अध्ययन करते हुए क्रिस्टल भौतिकी और क्रिस्टल ऑप्टिक्स पर विशेष ज़ोर दिया। इस दौरान इन्होंने एक्स-रे माइक्रोस्कोप के लिए दर्पण को लक्षित कर एक्स-रे का विकास किया। 1947 में रामचंद्रन को डी.एससी. की उपाधि से नवाज़ा गया। रामचंद्रन ने अगले दो वर्ष कैवेंडिश लैबोरेटोरी, कैम्ब्रिज में बिताए। यहाँ उन्होंने एक्स-रे के विकीर्णन और बिखराव एवं प्लास्टिक पहचान में इनकी भूमिका पर पीएच.डी. हासिल की। यह काम उन्होंनें विश्व प्रसिद्ध क्रिस्टलोग्राफी विशेषज्ञ प्रो. विलियम अल्फ्रेड वूस्टर के निर्देशन में किया।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी